सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ` 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 27 दिसंबर, 2025
वर्षः 03, अंकः 2, पृष्ठः 8+4

इनसाइड हर अस्पताल को करना होगा कैशलेस इलाज » Pg06

बिल्हौर के आकाश ने अमेरिका में गाड़ा अपने नाम का झंडा

» Pg 12

एसआईआर : यूपी की मतदाता सूची में 2.89 करोड़ नाम हटाने की तैयारी

विशेष पुनरीक्षण की समयसीमा पूरी, तीसरी बार तारीख नहीं बढ़ाई गई
31 दिसंबर को ड्राफ्ट सूची, 28 फरवरी 2026 को जारी होगी अंतिम सूची

» मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुक्रवार को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। चुनाव आयोग ने पहले दो बार समयसीमा में विस्तार दिया था, लेकिन इस बार तीसरी बार तारीख बढ़ाने से इंकार कर दिया। इसके साथ ही बूथ स्तर पर किए गए घर-घर सत्यापन, गणना प्रपत्र भरने और रिपोर्ट जमा करने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

वर्तमान में राज्य की मतदाता सूची में 15.44 करोड़ से अधिक नाम दर्ज हैं, लेकिन

बड़े पैमाने पर शुद्धिकरण की तैयारी के तहत उनमें से 2.89 करोड़ नाम हटाने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस कदम का उद्देश्य सूची को पारदर्शी, सटीक और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि आगे की चुनावी प्रक्रिया बिना किसी भ्रम और विवाद के निर्धारित समय पर सुचारु रूप से संचालित हो सके।

किस-किस के कटेंगे नाम

चुनाव आयोग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार जिन 2.89 करोड़ नामों को सूची से हटाया जाना प्रस्तावित है, उनमें 1.26 करोड़ स्थानांतरित मतदाता शामिल हैं, जो अब अपने पुराने पते पर निवास नहीं करते। इसी के साथ 46 लाख मृत मतदाताओं के नाम चिन्हित किए गए हैं, जबकि 23.70 लाख डुप्लीकेट नाम पाए गए हैं। 83.73 लाख ऐसे मतदाता भी सूची में हैं जो लंबे समय से अनुपस्थित पाए गए और 9.57 लाख लोग अन्य श्रेणी में रखे गए हैं। इस दौरान बीएलओ और राजनीतिक दलों के बीएलए को बूथवार सूचियां देकर घर-घर सत्यापन कराया गया, ताकि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से न कटे। पहले हटाए जाने वाले मतदाताओं की संख्या 2.96 करोड़ थी, लेकिन सात लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन सही मिलने पर उनके नाम सूची में बनाए रखे गए। इस पूरी प्रक्रिया के जरिए आयोग राज्य की मतदाता सूची को ज्यादा विश्वसनीय बनाने की तैयारी कर चुका है।

नई सूची का शेड्यूल तय

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 31 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की जाएगी, जिसके बाद 31 दिसंबर से 30 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। इसके साथ ही 31 दिसंबर से 21 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण जारी रहेगा, जहां जिन मामलों में संदेह रहेगा, उन मतदाताओं से दस्तावेज मांगे जाएंगे। 28 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। आयोग ने वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान सूची की मैपिंग कार्य भी पूरा कर लिया है। करीब 91 फीसदी मतदाताओं का मिलान नाम और परिजनों के नाम के आधार पर कर लिया गया है, जबकि शेष करीब 1.11 करोड़ मतदाताओं को पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस भेजी जाएगी। आयोग का कहना है कि मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और विवाद रहित बनाने के लिए हर स्तर पर गंभीरता से काम किया गया है और आगे भी प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ जारी रहेगी।

अंगीठी ने ली पीसीएस अफसर के परिवार के 4 सदस्यों की जान

ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में अंगीठी जलाई, दम घुटने से चार की मौत, तीन की हालत गंभीर

» मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

वाराणसी। बिहार के छपरा में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वाराणसी के पीसीएस अफसर विजय कुमार सिंह के परिवार के चार सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी, साले और साली की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना छपरा (बिहार) के भगवान बाजार थाना क्षेत्र की अंबिका कॉलोनी, भारत मिलाप चौक के पास स्थित उनके घर की है।

जानकारी के मुताबिक ठंड से बचने के लिए परिवार शुक्रवार देर रात कमरे में अंगीठी जलाकर सो गया था। बंद कमरे में गैस भरने से हादसा हो गया।रात के दौरान कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैलने से सभी की तबीयत बिगड़ गई। देर रात एक सदस्य की तबीयत अचानक बिगड़ी तो उसने किसी तरह दरवाजा खोला और परिजनों को आवाज दी। परिजन पहुंचे तो देखा कि चार लोग बेहोशी की हालत में थे और कोई हलचल नहीं थी। सभी को आनन-फानन में छपरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पीसीएस अफसर के 3 साल के बेटे तेजस, 7 महीने की बेटी गुड़िया, सास कमलावती देवी (70) और साढ़ू के 4 साल के बेटे अध्याय को मृत घोषित कर दिया।वहीं, अफसर की पत्नी अंजलि, साले अमित कुमार और साली अमीषा की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीनों को प्राथमिक इलाज के बाद पटना रेफर कर दिया गया। परिजनों के मुताबिक, सभी लोग ठंड से बचने के लिए एक ही कमरे में सोए थे और कमरे का दरवाजा व खिड़कियां बंद थीं, जिससे गैस बाहर नहीं निकल सकी। सूचना मिलते ही छपरा एएसपी राम पुकार सिंह समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

बांग्लादेश में रॉक स्टार जेम्स के कॉन्सर्ट पर कट्टरपंथियों का हमला

फरीदपुर जिला स्कूल के समारोह के दौरान भड़की हिंसा, माहौल में तनाव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। बांग्लादेश के फरीदपुर में शुक्रवार रात आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान देश के दिग्गज रॉक स्टार जेम्स उर्फ नागर बाउल के कॉन्सर्ट पर इस्लामिस्ट भीड़ ने अचानक हमला कर दिया। यह घटना फरीदपुर जिला स्कूल की 185वीं वर्षगांठ के समापन समारोह के दौरान हुई, जहां जेम्स मंच पर परफॉर्म कर रहे थे। जैसे ही कट्टरपंथी तत्वों ने कार्यक्रम को निशाना बनाया, मंच के आसपास अफरा-तफरी फैल गई और हजारों दर्शकों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। एक तरफ लोग अपनी जान बचाने के लिए भागते दिखे, वहीं आयोजक और सुरक्षा कर्मी हालात संभालने में जुट गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उग्र तत्व न सिर्फ नारेबाजी कर रहे थे, बल्कि उन्होंने कार्यक्रम को बाधित करने की कोशिश भी की। इससे पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। संगीत प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने इस घटना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक गतिविधियों पर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की है। कई लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक कार्यक्रम पर हमला नहीं, बल्कि समाज में डर का माहौल पैदा करने की साजिश है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा साफ नजर आ रहा है।घटना के बाद स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर काबू पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों की पहचान की जा रही है। साथ ही ऐसे कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इस घटना ने बांग्लादेश में सुरक्षा प्रबंधन और कट्टरपंथी तत्वों की बढ़ती हिम्मत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वराज इंडिया के तीन वर्ष पूरे, मनाई गई वर्षगांठ

स्वराज इंडिया के तीन वर्ष पूरे, मनाई गई वर्षगांठ

सांध्य दैनिक स्वराज इंडिया के स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह

आर्यनगर टीएसएच स्टेडियम में केक काटकर आयोजित किया गया भव्य समारोह

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर और लखनऊ से संयुक्त रूप से प्रकाशित सांध्य दैनिक स्वराज इंडिया ने 26 दिसंबर 2025 को अपने गौरवपूर्ण तीन वर्ष पूर्ण कर लिए। यह उपलब्धि केवल समय की नहीं, बल्कि पाठकों के अटूट विश्वास, निर्भीक पत्रकारिता और निरंतर प्रतिबद्धता की सशक्त मिसाल है।

स्थापना दिवस के अवसर पर कानपुर स्थित आर्यनगर टीएसएच स्टेडियम में केक काटकर समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संपादकीय, प्रबंधन, विज्ञापन विभाग सहित स्वराज इंडिया से जुड़े सभी सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के निवर्तमान सदस्य श्याम सिंह पंवार ने कहा कि तीन वर्षों की इस यात्रा में स्वराज इंडिया ने सीमित संसाधनों के बावजूद सत्य, निष्पक्षता और जनसरोकार की पत्रकारिता को अपनी पहचान बनाया। पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों और सहयोगियों के निरंतर सहयोग से अखबार ने उत्तर भारत के सांध्य दैनिकों में विशिष्ट और विश्वसनीय स्थान अर्जित किया है, मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं। इस दौरान समाजसेवी डॉ सुरेश यादव ने स्वराज इंडिया अखबार टीम के समर्पण, साहस और सतत मेहनत की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक सशक्त पत्रकारिता के संकल्प को दोहराया गया। वहीं, इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी, धर्म प्रचारक सुधीर द्विवेदी ने कहा कि पाठकों का विश्वास ही अखबार की सबसे बड़ी शक्ति है और वही उसकी दिशा व प्रेरणा तय करता है। स्थानीय संपादक अनूप कुमार ने कहा कि स्वराज इंडिया आगे भी सत्य और निष्पक्षता के साथ जनहित की आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा। प्रधान संपादक पुरुषोत्तम द्विवेदी ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि स्वराज इंडिया केवल एक अखबार नहीं, बल्कि जनविश्वास पर खड़ी निर्भीक पत्रकारिता की सशक्त आवाज है। इस दौरान प्रदेश मुख्यालय से वरिष्ठ पत्रकार चेतन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार निर्मल तिवारी,राहुल अग्निहोत्री, राहुल पांडेय, बिल्हौर से अवनीश यादव, रिजवान कुरैशी, वरिष्ठ समाजसेवी तिलक सिंह चौहान, कानपुर देहात से शंकर सिंह, आरएस त्रिवेदी, आनंद शर्मा, एकांत तिवारी धीरज कश्यप, जितेंद्र कुमार, अमान अहमद आदि रहे।

सिसकियां भर बेटी बोली, जिन्होंने मेरे पापा को मारा, उन्हें फांसी हो

बिल्हौर में गार्ड की गोली मारकर हत्या से गांव में आक्रोश

- अलाव जलाने को लेकर हुए विवाद में साथी गार्ड ने सीने में मारी गोली
- चश्मदीद बोला—गोली चलाने के बाद हम लोगों पर भी तान दी थी बंदूक
- कैंसर पीड़ित पत्नी और 12 साल की बेटी हुई बेसहारा
- आरोपी फरार, परिजनों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

मृतक निर्मल सिंह चंदेल

आरोपी अनिरुद्ध,पुलिस तलाश कर रही

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार की देर रात बिल्हौर में एक मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। निर्माणाधीन महर्षि महेश योगी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में तैनात दो सिक्योरिटी गार्डों के बीच हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में हत्या में बदल गया। जिसमें औरंगपुर सांभी गांव निवासी अनिरुद्ध द्विवेदी ने अपने ही साथी गार्ड निर्मल सिंह चंदेल उर्फ नीरज के लाइसेंसी बंदूक से सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही नीरज मौके पर लहूलुहान होकर गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी गार्ड मौके से फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक बिल्हौर थाना क्षेत्र के गदनपुर आहार गांव में महर्षि योगी कृषि विश्वविद्यालय निर्माणाधीन है। ठंड से बचने के लिए गार्ड अलाव जलाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान लकड़ी डालने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने गुस्से में बंदूक उठा ली और नीरज के सीने में गोली दाग दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नीरज को तत्काल बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के गांव में पुलिस बल तैनात है। हत्यारोपी के घर पर ताला पड़ा है। सूत्रों की माने तो हत्यारोपी के परिजनों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना को हर बिंदु से जोड़कर पुलिस जांच कर रही है। उधर एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह ने बताया कि जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

गोली मारने के बाद हम लोगों पर भी तान दी थी बंदूक

स्वराज इंडिया संवाददाता से बात करते हुए घटना के चश्मदीद श्याम ने बताया कि रात्रि ड्यूटी में चार गार्ड मौजूद थे। मैं और सुधीर थोड़ी दूरी पर थे। नीरज और अनिरुद्ध कुर्सी पर बैठकर अलाव जलाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। अनिरुद्ध बार-बार धमकी दे रहा था कि गोली मार देगा। अचानक उसने लाइसेंसी बंदूक निकाली और नीरज को गोली मार दी। इसके बाद वह बेकाबू हो गया। जब हम लोग उसे पकड़ने पहुंचे तो हम पर भी बंदूक तान दी। जान बचाने के लिए हमें भागना पड़ा।

एक परिवार की पूरी दुनियां उजड़ गई

निर्मल सिंह की जिंदगी संघर्षों से भरी थी। पत्नी लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं और महीनों से बिस्तर पर हैं। दिन में पत्नी की सेवा और रात में परिवार की आजीविका के लिए वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। अब उस घर में सिर्फ 12 साल की बेटी अनुष्का बची है,जो खुद मासूम है लेकिन बीमार मां का सहारा बन गई है। आंसुओं में डूबी अनुष्का ने कहा कि पापा कहते थे कि बिटिया परेशान मत होना, मां की दवाइयां भी आएंगी और तुम्हारी स्कूल की फीस भी जमा हो जाएगी।

अनुष्का बिल्हौर के सूरजमुखी स्कूल में कक्षा 8 की छात्रा है। कई महीनों से उसकी फीस बकाया है, लेकिन उससे कहीं बड़ा बोझ उसके नन्हे कंधों पर टूट पड़ा है। उसकी तो मानो पूरी दुनियां ही उजड़ गई है। पिता की मौत से आहत बेटी की सिसकियों के बीच एक ही मांग गूंज रही है कि जिन लोगों ने मेरे पापा को मारा है,उन्हें फांसी होनी चाहिए। परिजनों का कहना है कि निर्मल सिंह बेहद शांत स्वभाव के थे। आरोप है कि आरोपी ने अपनी लाइसेंसी बंदूक का गलत इस्तेमाल कर एक हंसता-खेलता परिवार हमेशा के लिए उजाड़ दिया।

ग्राम प्रधान ने पीड़ितों को बंधाया ढांढस

घटना के बाद मृतक के घर गांव वालों का आना-जाना लगातार बना रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक की पत्नी की चीख-पुकार सुनकर वहां मौजूद कई महिलाएं भी अपने आंसू नहीं रोक सकीं। इस दौरान ग्राम प्रधान रमन सिंह चंदेल परिजनों से मिलने पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि यह पूरे गांव के लिए बेहद दुखद क्षण है। इस कठिन समय में गांव के लोग पीड़ित परिवार के साथ हैं और हर संभव मदद की जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

प्रेम कुमारी पुत्री राजेंद्र प्रसाद निवासी मकान न.461 ब्लाक EWS द्वितीय गुजैनी कानपुर नगर।उपरोक्त प्रापर्टी का मूल कब्जा लेटर कहीं खो गया है। जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। यदि किसी को प्राप्त हो तो कृपया निम्न नंबर पर संपर्क करके लौटा दें। मो.7607720325

सम्पादकीय

सेंगर की रिहाई से उठे सवाल

उन्नाव दुराचार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के खिलाफ शुक्रवार को पीड़िता की मां समेत कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। वे दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दे दी थी। जिसके बाद फैसले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। पीड़िता की मां इस जमानत को रद्द करने और शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात कहती रही हैं। वे अपने पति के हत्यारों को फांसी देने की गुहार लगाती नजर आईं। विपक्षी नेता भी आरोप लगाते रहे हैं जिस तरह तकनीकी आधार पर दोषी को छूट दी गई है, उसमें न्यायिक प्रणाली के लिये गलत परंपरा विकसित होगी। जिससे पीड़िता के परिवार का ही नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का भरोसा भी टूटेगा। दरअसल, वर्ष 2017 में हुए इस बहुचर्चित मामले में पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पिछले दिनों जमानत दे दी।

जिसके खिलाफ पीड़ित पक्ष और कतिपय महिला संगठन मुखर हुए हैं। बल्कि इस मामले की सर्वाइवर का कहना था कि यदि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर होगा तो सुरक्षा के लिये मुझे जेल भेज दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सजा मिलने के छह साल बाद हाईकोर्ट की एक बेंच ने उसकी सजा निलंबित कर दी थी। पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया था। सजा निलंबित होने के कुछ ही घंटों के बाद पीड़िता व कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दोषी को जमानत दी गई है। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर रहेगा तो उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दलों की भी तल्ख प्रतिक्रियाएं आई हैं।

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता ने इस जमानत को निराशाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि इस अपराध के सामने आने में दस माह लगे थे। मामले के तूल पकड़ने पर पीड़िता के पिता पर हमला हुआ था।

उन्हें बाद में जेल भेज दिया गया था और पुलिस हिरासत में रहस्यमय ढंग से उनकी मृत्यु हो गई थी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि जमानत की अवधि में सेंगर सर्वाइवर के पांच किमी के दायरे में नहीं आएंगे और दिल्ली में ही रहेंगे। उसे हर सोमवार पुलिस के समक्ष रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है।

साथ ही यह भी कि किसी भी शर्त के उल्लंघन में जमानत रद्द कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सेंगर ने ट्रायल कोर्ट में दुराचार के लिये दोषी ठहराने वाले फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था, उसके खिलाफ बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी के आरोप लगे।

साथ ही पोक्सो एक्ट के तहत भी मामला दर्ज हुआ था।

दुनिया के लिए खतरे की घंटी ईरानी जल संकट

मुकुल व्यास

जब हर क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ रहा है तो सवाल है कि रचनात्मकता यानी साहित्य व कला के संदर्भ में एआई का कितना उपयोग स्वीकार्य है। दरअसल, मानव सृजनात्मकता पर एआई के आक्रमण के प्रतिरोध और स्वीकृति... जब हर क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ रहा है तो सवाल है कि रचनात्मकता यानी साहित्य व कला के संदर्भ में एआई का कितना उपयोग स्वीकार्य है। दरअसल, मानव सृजनात्मकता पर एआई के आक्रमण के प्रतिरोध और स्वीकृति का स्तर, समय व भूगोल के साथ बदलता रहता है। हालांकि कला क्षेत्र में रचनात्मकता को गंभीर मिलावट से तब तक बचाना चाहिये जब तक यह एक नई तरह की कला के लिए राह न खोल दे।

एक दिलचस्प समाचार के रूप में, न्यूजीलैंड के दो पुरस्कार विजेता लेखकों की किताबों, स्टेफनी जॉनसन के लघु कहानी संग्रह 'ओब्लिगेट कार्निवोर' और एलिजाबेथ स्मिथर के उपन्यास संग्रह 'एंजेल ट्रेन', को कृत्रिम बुद्धि (एआई) के उपयोग के कारण 65 हज़ार न्यूज़ीलैंड डॉलर पुरस्कार राशि वाले 2026 ओखम बुक अवॉर्ड्स (फिक्शन), जो देश का शीर्ष साहित्यिक पुरस्कार है, के लिए विचार करने के अयोग्य घोषित कर दिया गया। यह अस्वीकृति लेखन में एआई के उपयोग को लेकर नहीं बल्कि पुस्तकों के कवर डिज़ाइन के कारण हुई, जो एआई उपयोग संबंधी नए दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते पाए गए। स्वाभाविक ही इस एआई युग में यह सवाल उठता है कि रचनात्मकता के संदर्भ में एआई का कितना उपयोग स्वीकार्य है। लक्ष्मण रेखा कहां होनी चाहिए? मानव रचनात्मकता पर एआई के आक्रमण के प्रतिरोध और स्वीकृति का स्तर, समय और भूगोल के साथ बदलता रहता है। जर्मन फ़ोटोग्राफ़र बोरिस एल्डैग्सन 2023 में तब एक व्हिसलब्लोअर बन गए, जब उन्होंने सोनी वर्ल्ड फ़ोटोग्राफ़ी अवार्ड्स में क्रिएटिव ओपन श्रेणी का पुरस्कार यह कहकर स्वीकार नहीं किया कि विजेता छवि बनाने के लिए उन्होंने एआई का उपयोग किया था। यांग ने एआई का उपयोग करके केवल तीन घंटों में 'लैंड्स ऑफ मेमोरी' नामक पुस्तक बना दी और इसने अक्तूबर 2023 में, जियांग्सू यूथ पॉपुलर साइंस फिक्शन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता। इसके अलावा, यह स्वीकार करने के बाद भी कि उनके उपन्यास 'टोक्यो-टू डोजो-टू' का 5 फीसदी शब्दशः चैटजीपीटी द्वारा बनाया गया था, जापानी लेखिका री कुडन ने 2024 में अकुतागावा पुरस्कार जीता, जो जापान के प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में से एक है! कुडन के अनुसार, उन्होंने 'नरम और अस्पष्ट' शब्द खोजने को एआई की मदद ली थी, वे जो उनके उपन्यास में व्याप्त न्याय की जटिल अवधारणाओं को समाहित करते हों, इसे चयन समिति ने 'कोई गलत नहीं' माना। खैर, एड्रियन ब्रॉडी ने 'द ब्रुटलिस्ट' फिल्म में अपने द्वारा अभिनीत भूमिका में हंगेरियन भाषा बोलते समय, उच्चारण बेहतर बनाने के लिए, एआई के उपयोग के बावजूद इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अकादमी पुरस्कार जीता। इस वर्ष की अन्य ऑस्कर-नामांकित फिल्मों में, एआई क्लोनिंग का उपयोग जैक्स ऑडियार्ड के ट्रांसजेंडर गैंगस्टर म्युज़िकल एमिलिया पेरेज़ में कार्ला सोफिया गैसकॉन की गायन आवाज़ को बेहतर बनाने के लिए भी किया गया था। क्या यह स्पष्ट संकेत है कि हॉलीवुड भी मात्र दो सालों में एआई को स्वीकार कर अपने अभिनेताओं और पटकथा लेखकों के दोहरे हमले को मान्यता दे रहा है, यह सुनिश्चित करने को कि चलो श्रमिकों ने अपना काम नई तकनीक से बदलने की बजाय उस पर नियंत्रण तो बनाए रखा इसके उल्ट, अकादमिक पत्रिकाएं इन दिनों शोध पत्रों में एआई के उपयोग के विरुद्ध सख्त रुख रखे हैं, हालांकि चैटजीपीटी को 2022 के अंत व 2023 के शुरू में प्रकाशित कई शोधपत्रों में सह-लेखक सूचीबद्ध किया गया।

असामान्य ठंड से निपटने को जरूरी कारगर रणनीति

मौसमी बदलाव

पंकज चतुर्वेदी

दक्षिण भारत में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं के असामान्य रूप से गहरे प्रवेश के कारण आंतरिक हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट आयी। जिसका गंभीर असर पारिस्थितिकी व मानव जीवन पर हो रहा है। इसमें जलवायु बदलाव कीबड़ी भूमिका है।

कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में कभी स्वेटर की दुकान नहीं होती थी, आज वहां लोग रूम हीटर खरीद रहे हैं। यह हाल भीषण गर्मी के लिए मशहूर पूरे उत्तरी-कर्नाटक का है।

धारवाड़ में तापमान लगातार 10.2 डिग्री के आसपास है। इसी तरह, गदग में न्यूनतम तापमान 10.8, बीदर में 10 डिग्री सेल्सियस, हासन में 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हासन, विजयपुर के बाजारों में पहली बार जाड़े के कपड़ों की बिक्री जमकर हो रही है। बेंगलुरु में इतनी सर्दी कभी देखी नहीं गई। उधर चेन्नई में सालों बाद 20 डिग्री से नीचे तापमान गया और समुद्र किनारे के इस महानगर के लिए यह कड़ाके की ठंड बन गया। ऊटी तो खैर राज्य का पहाड़ी क्षेत्र है लेकिन वहां भी तापमान 5.3 हो जाना अचरज है। ईरोड के तलवाड़ी में 11.4 डिग्री, डिग्री, धर्मपुरी के कुछ हिस्सों में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यही हाल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में है। मौसम का बदलता मिजाज समाज, अर्थव्यवस्था आदि पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। जलवायु परिवर्तन के लिए सरकार व समाज को चेत जाना चाहिए। भारत के दक्षिणी

प्रायद्वीपीय राज्यों- तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना और केरल- को समशीतोष्ण या उष्णकटिबंधीय जलवायु के लिए जाना जाता है, जहां शीत लहर की स्थिति दुर्लभ होती है।। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रत्याशित शीत लहर के चलते कई जगह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसका गंभीर असर स्थानीय पारिस्थितिकी प्रणालियों और मानव जीवन पर हो रहा है भारत के 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी' का एक शोध बताता है कि साल 2021-2050 के बीच दक्षिण भारत के कई इलाकों का तापमान 0.5 डिग्री से 1.5 डिग्री तक और सर्दियों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक बढ़ सकता है। यही नहीं खरीफ और रबी दोनों फसली-मौसम में वर्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रिपोर्ट में राज्यों को जलवायु जोखिम मूल्यांकन और लचीली आधारभूत संरचना निर्माण की सलाह दी गई है। बढ़?ती मौसम असमानता के कारण बाढ़ के बाद जल-जनित रोग और तापमान उतार-चढ़ाव से श्वसन की समस्याएं बढ़ी हैं। मौसम की ये प्रवृत्तियां दक्षिण भारत के समाज को नई चुनौती है। दक्षिण भारत की कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फसलों पर निर्भर करती है, जो पाले या अत्यधिक ठंड के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं। अप्रत्याशित शीत लहर से फसल को नुकसान और उपज में कमी की प्रबल संभावना होती है। दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, कर्नाटक के मलनाड आदि पहाड़ी क्षेत्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में कॉफी, चाय और इलायची जैसी बागवानी फसलें उगाई जाती हैं, जो ठंड के प्रति संवेदनशील हैं। कर्नाटक के चिकमंगलूर, कोडागु तथा केरल व तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में अचानक गिरावट से पौधों की पत्तियां पाले से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान कम होने से कॉफी के पौधों में पत्ती झुलसने की समस्या हो जाती है। ठंड की मार आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केले की फसल पर पड़ने की संभावना है। पाला पड़ने पर पत्तियां पीली पड़ जाती हैं व फल छोटे रह जाते हैं।

सड़क हादसे में पैसे का बहाना खत्म

हर अस्पताल को करना होगा कैशलेस इलाज

डीएम ने दिया अस्पताल संचालकों को आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।सड़क हादसे में घायल को अस्पताल के दरवाजे पर तड़पने नहीं दिया जाएगा। इलाज के नाम पर अब न आनाकानी चलेगी, न पैसों का बहाना। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कानपुर नगर के सभी नर्सिंग होम और निजी चिकित्सालयों को स्पष्ट आदेश जारी करते हुए कहा है कि सड़क दुर्घटना में लाए गए किसी भी घायल को इलाज से मना नहीं किया जाएगा और न ही उसे अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से एक रुपये की मांग की जा सकेगी।

- **सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक अधिकतम एक लाख पचास हजार रुपये तक का इलाज पूरी तरह कैशलेस दिया जाएगा**
- **घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले से भी नहीं मांगे जाएंगे पैसे, डीएम का साफ निर्देश**
- **यदि किसी अस्पताल, निजी नर्सिंग होम ने घायल का ईलाज करने से किया इनकार तो होगी सख्त कार्रवाई**

जिलाधिकारी के आदेश में साफ किया गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में अक्सर यह देखा जाता है कि घायल को अस्पताल लाने के बाद इलाज शुरू करने से पहले धनराशि, पहचान या औपचारिकताओं की बात की जाती है, जिससे कीमती समय नष्ट होता है और कई बार जान तक चली जाती है। इसी प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए भारत सरकार ने कैशलेस उपचार योजनाङ्क2025 को अधिसूचित किया है, जिसे अब जिले में सख्ती से लागू किया जाएगा।

आदेश के अनुसार मोटर वाहन से हुई सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक अधिकतम एक लाख पचास हजार रुपये तक का इलाज पूरी तरह कैशलेस दिया जाएगा। इस इलाज का खर्च अस्पताल को मोटर वाहन दुर्घटना निधि से मिलेगा, जिसका भुगतान केंद्र सरकार द्वारा किया जाएगा। ऐसे में किसी भी अस्पताल के पास इलाज से इनकार करने या पैसे मांगने का कोई आधार नहीं रहेगा। यदि कोई अस्पताल इस आदेश का उल्लंघन करता है तो इसकी शिकायत सीएमओ अथवा जिलाधिकारी से सीधे की जा सकती है।जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले राहगीर, परिचित या परिजन से इलाज के नाम पर किसी प्रकार की धनराशि नहीं ली जाएगी। इस आदेश से लोगों में घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाने का भरोसा बढ़ेगा और डर या झिझक के कारण मदद से पीछे हटने की मानसिकता टूटेगी।डीएम ने सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम संचालकों को निर्देश दिए हैं कि इस व्यवस्था का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर आदेश की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुनाफे का लालच पड़ा भारी साइबर ठगों ने उड़ाए 26 लाख

22 लाख निवेश कर फंसा युवक, मुनाफा निकालने पर खुला फॉड का राज वर्क फॉम होम के नाम पर महिला से भी 4 लाख उड़ाए, साइबर सेल जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग और वर्क फ्रॉम होम के नाम पर दो अलग-अलग लोगों से करीब 26 लाख रुपए की ठगी कर डाली।कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हुई इन दोनों वारदातों की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

आवास विकास-3 के रंजीत कुमार शाह को व्हाट्सएप पर ऑनलाइन ट्रेडिंग से भारी मुनाफा कमाने का ऑफर मिला था। पहले उन्होंने इसे अनदेखा किया, लेकिन बाद में आए कॉल पर उन्हें टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया गया। ग्रुप में बैलेंस शीट पर लगातार मुनाफा दिखाए जाने से रंजीत भरोसा कर बैठे और उन्होंने पहले 30 हजार, फिर कई फर्मों में मिलाकर 22 लाख रुपए निवेश कर दिए। जब उन्होंने मुनाफा निकालने की कोशिश की तो आरोपियों ने जीएसटी, करेंसी कन्वर्जन और अन्य शुल्क का हवाला देकर उन्हें टालना शुरू कर दिया। जल्द ही ग्रुप लीडर 'अर्चना उर्फ तनु' और बाकी सभी नंबर बंद हो गए, तब रंजीत को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने तुरंत कल्याणपुर थाने में शिकायत की।इसी तरह अंबेडकरपुरम निवासी शिखा पांडेय को इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन गेमिंग के जरिए कमाई का विज्ञापन दिखा। नंबर पर संपर्क करते ही उन्हें टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया, जहां शुरुआती टास्क पूरा करने पर उन्हें कुछ रुपए भेजकर भरोसा दिलाया गया।इसके बाद अधिक कमाई का लालच देकर शातिरों ने उनसे 4,17,467 रुपए जमा करा लिए। बाद में पेमेंट रोक दिया गया और सभी नंबर बंद हो गए। थाना प्रभारी के मुताबिक, दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और साइबर सेल टीम मामले की जांच कर रही है।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पर युवक ने की अभद्र टिप्पणी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» रील बनाने वाले युवक पर कार्रवाई की मांग तेज » बजरंग दल ने रूरा थाना प्रभारी को दिया प्रार्थना पत्र

कानपुर देहात। धार्मिक भावनाओं को आहत करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र रूरा के अंतर्गत तिगाईं निवासी एक युवक ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए एक रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। रील के वायरल होते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।मामले को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश महामंत्री अरविंद सिंह सेंगर के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी रूरा थाना पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी। संगठन ने आरोप लगाया कि वीडियो में न केवल बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर बल्कि उनके परिवार के प्रति भी अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया है, जिससे समाज के लोगों की धार्मिक आस्था को गहरी ठेस पहुंची है।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने इस कृत्य को जानबूझकर समाज में तनाव फैलाने का प्रयास बताया और दोषी युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

संगठन का कहना है कि इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और

धर्म प्रचारकों के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों पर कठोर कार्रवाई जरूरी है।

रूरा थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि वीडियो बनाने वाला युवक तिगाईं का निवासी आशीष कुमार कठेरिया पुत्र कमलेश कुमार है और वर्तमान में गुजरात के अहमदाबाद में निजी नौकरी कर रहा है। युवक ने वहीं से वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। मामले की जानकारी उसके परिजनों को दे दी गई है और उन्हें थाने बुलाया गया है। वीडियो की जांच की जा रही है, जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वहीं धार्मिक संगठनों में इस घटना को लेकर भारी रोष व्याप्त है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में 'लंगड़ा'

» खंडहर नहर कोठी में छिपा बैठा था आरोपी, घेराबंदी के दौरान पुलिस पर की फायरिंग

» तमंचा, कारतूस बरामद, घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी देशराज को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। घटना थाना गजनेर क्षेत्र के शीतलपुर स्थित खंडहर नहर कोठी की है। देर रात मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और वह मौके पर गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा । आरोपी देशराज शीतलपुर का निवासी है तथा उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, नाल में फंसा खोखा कारतूस, एक अन्य खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है । पुलिस के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपा हुआ था और मौके से भागने की कोशिश में लगातार गोलीबारी कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद शस्त्र अधिनियम सहित अतिरिक्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

सड़क पर कीचड़ पर गलियों में पानी
यही है मजरा कनपटियापुर की कहानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जल निकासी न होने से सड़क पर चलना हुआ मुश्किल

कानपुर देहात। ग्राम पंचायत के चुनाव नजदीक है ग्राम प्रधान सहित तमाम जनप्रतिनिधि अपने-अपने विकास कार्य बताकर लोगों से वोट तो मांग रहे हैं लेकिन आज भी गांव में गलियों की दुर्दशा देखने को मिलती है। करोड़ों रुपए पानी की तरह खर्च होने के बाद भी गांव में समस्या का कोई समाधान नहीं मिला।

रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत बर्रा ठर्रा ग्राम पंचायत का मजरा कनपटियापुर में भी एक ऐसा नजारा देखने को मिला जहां सड़क तो आरसीसी पुरानी बनी हुई है लेकिन जल निकासी के लिए कोई नाली का न बना होना जलभराव का सबब बन रहा है। वहां के रहने वाले ग्रामीण रोहित पांडेय,सर्वेश कुमार , गोविंद पांडेय,आदित्य कुमार, अरविंद पांडेय, चंद्र किशोर, आशीष कुमार, विजय किशोर इत्यादि लोगों ने बताया कि श्याम नारायण के घर से विमल कुमार के घर तक करीब 25 मीटर नाली का निर्माण न होने के चलते मुख्य

आरसीसी रोड पर भारी मीटभराव होता है। जहां निकलने में दुश्वारियां होती हैं। इसके साथ ही जलभराव होने के चलते विभिन्न बीमारियां भी फैलने का अंदेशा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्राम प्रधान से कई बार उक्त समस्या के बाबत शिकायत की लेकिन समस्या का निस्तारण नहीं हुआ। जिसके चलते ग्रामीण परेशान हैं।

इस प्रकरण में कोई जानकारी नहीं है। जानकारी आपके द्वारा मिली है इसकी जांच कराई जायेगी और गांव के ग्रामीणों को जल्द ही समस्या का समाधान कराया जायेगा।

बीडीओ विपुल विक्रम
रसूलाबाद

ठंड के चलते बांटी गई चाय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कड़ाके की सर्दी के चलते राहगीरों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए समाजसेवियों द्वारा क्षेत्र में कई कार्य किए जा रहे है। कहीं कंबल का वितरण तो कहीं चाय का वितरण कराया जा रहा है। कहिंजरी स्थित एक शोरूम में समाजसेवी सौरभ द्विवेदी के द्वारा टी स्टॉल लगवाकर चाय का वितरण कराया गया। चाय को पीकर राहगीरों ने राहत की सांस ली। इस मौके पर कृष्ण कुमार द्विवेदी, सचिन यादव, छवि शुक्ला, दीपिका भदौरिया, सुमित कुमार, रजत अवस्थी, लवकुश, शिव बाबू, अंकुश, सनत, कपिल, हरिओम, मोनू, हिमांशु आदि रहे।

पीएम श्री विद्यालय संगसियापुर में मनाया गया वीर बाल दिवस

साहस और बलिदान का प्रतीक है वीर बाल दिवस

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। वीर बाल दिवस के अवसर पर पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर अकबरपुर कानपुर देहात में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देशभक्ति के गीतों पर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों और नृत्यों के साथ हुई। बच्चों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से गुरु गोबिंद सिंह जी के साहस और बलिदान को याद किया। इसके साथ ही, विद्यालय के शिक्षिका कंचन कामिनी ने गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को साझा किया और उनके साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान की कहानी सुनाई। साथ ही बच्चों को गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन के जादू के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना करते हुए भी धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा वीर बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपने धर्म, देश और समाज के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके साहिबजादों का बलिदान हमें सच्चाई और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों को गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन के बारे में जानने का अवसर दिया, बल्कि उन्हें देशभक्ति और साहस की भावना से भी भर दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक रणजीत सिंह, शिक्षिका कंचन कामिनी , अन्नपूर्णा व रसोइया के साथ विद्यालय के छात्रों की उपस्थिति रही।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत

» डींग व छतेनी गांव के मध्य मारुति नंदन राइस मिल के पास हुआ हादसा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के झांसी कानपुर हाइवे पर डींग व छतेनी गांव के मध्य मारुति नंदन राइस मिल के पास किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक की पहचान बरौर कस्बा निवासी रामसनेही के 45 वर्षीय पुत्र महेंद्र उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है।वह पल्लेदारी व खेती किसानी का काम करता था।शुक्रवार शाम वह घर से साइकिल से निकला था।

देर रात डींग व छतेनी के मध्य मारुति नंदन राइस मिल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी।हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर चौकी प्रभारी देवीपुर अभिषेक कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों से उसकी पहचान कराई। तत्पश्चात घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि हादसे में शामिल अज्ञात वाहन व फरार चालक की तलाश की जा रही है।तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के हलधरपुर क्रॉसिंग के निकट शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के कंधिया गांव निवासी बबलू के रूप में हुई है। वह गांव गांव घूमकर फेरी लगाने का काम करता है। शुक्रवार सुबह वह काम पर निकला था। तभी एक ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी।घायल को उपचार के लिए पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l
Website: www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

राज्यपाल ने श्रीगणपति सच्चिदानन्द आश्रम की 104वीं शाखा का किया शुभारंभ

» सनातन भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करता है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में शुक्रवार को आध्यात्मिक, सामाजिक और लोककल्याण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जनपद अयोध्या स्थित श्री गणपति सच्चिदानन्द आश्रम की 104वीं शाखा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुति देकर विधिवत शुभारंभ किया। इसके पश्चात उन्होंने मंच पर विराजमान राम दरबार की प्रतिमाओं का दर्शन-पूजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पूज्य स्वामी श्री गणपति सच्चिदानन्द स्वामी द्वारा स्थापित यह संस्था भगवान दत्तात्रेय के सिद्धांतों पर आधारित है, जो आध्यात्मिक साधना के साथ मानव सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रही है।उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसी पावन भूमि पर आश्रम की 104वीं शाखा की स्थापना ऐतिहासिक और प्रेरणादायी है, जो सनातन संस्कृति, 'वसुधैव कुटुम्बकम' और भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करती है।

पार्षद सुल्तान अंसारी ने जताया आभार

अयोध्या।उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अयोध्या के एकदिवसीय दौरे पर रहीं। अयोध्या धाम पहुंचने पर उन्होंने मंत्राथ मंडपम में संत-महात्माओं से मुलाकात कर आध्यात्मिक व सामाजिक विषयों पर संवाद किया। इसके पश्चात राज्यपाल ने कटरा मोहल्ला स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और शैक्षिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में बच्चों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं के बारे में जाना।राज्यपाल अभिराम दास वार्ड में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने भी पहुंचीं। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने बच्चों के बीच पुस्तकें और चॉकलेट वितरित कीं। अभिराम दास वार्ड के पार्षद सुल्तान अंसारी की मौजूदगी में बच्चों को मिठाई और पुस्तकें प्रदान की गईं।पार्षद सुल्तान अंसारी ने वार्डवासियों की ओर से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया और वार्ड में विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कानपुर के बाद दिल्ली में मेडिकल बैंक का भव्य शुभारंभ

टीम इन उपकरणों को जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क उपलब्ध कराती है। कानपुर में काकादेव स्थित हरी गर्ल्स हॉस्टल में शुरू किए गए पहले मेडिकल बैंक को व्यापक जनसमर्थन मिला, जिसके बाद अन्य शहरों में भी इसकी शाखाएं स्थापित की जा रही हैं।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली/कानपुर। कानपुर के काकादेव क्षेत्र में मेडिकल बैंक की सफल पहल के बाद अब राजधानी दिल्ली में भी इसकी शाखा का शुभारंभ किया गया। गुरुवार को दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित मेडिकल बैंक केंद्र का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रोफेसर अवनीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर मेडिकल बैंक का विधिवत उद्घाटन किया। ऑल इंडिया वूमेन डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग सोसाइटी द्वारा संचालित मेडिकल बैंक के माध्यम से लोग स्वेच्छा से उपयोग में न आने वाले, लेकिन चालू हालत में मौजूद मेडिकल उपकरण दान करते हैं। संस्था की

दिल्ली में शुरू हुई इस नई शाखा के माध्यम से अब राजधानी के जरूरतमंद लोगों को भी समय पर मेडिकल उपकरण उपलब्ध हो सकेंगे। क्षेत्रीय नागरिकों ने इस जनसेवा पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संस्था द्वारा जनहित में कई अन्य सेवा प्रोजेक्ट भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें बर्तन बैंक, नेकी की दीवार, अन्नपूर्णा, योग ध्यान सत्संग, संस्कार पाठशाला, जेल में सेवा कार्य तथा समय सारथी काउंसलिंग सेंटर प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से सामर्थ्यवान लोग सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं और जरूरतमंदों को सहारा मिल रहा है।

मेडिकल बैंक के शुभारंभ अवसर पर संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर बिंदु सिंह, डायरेक्टर शुभांगी सिंह, मेडिकल बैंक कोऑर्डिनेटर डॉक्टर कमल गोयल, डॉक्टर आलोक जैन, अंजू कोचर, सुशांत कोचर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

12 राज्यों में 200 रोहिंग्या बसा चुका है इब्राहिम कीपैड मोबाइल से बच रहा था मास्टरमाइंड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से पकड़ा गया मो. इब्राहिम एक साल में यूपी सहित 12 राज्यों में घूम-घूमकर म्यांमार से लाकर 200 रोहिंग्या को बसा चुका है। वह मजदूरी दिलाने के नाम पर युवक-युवतियों को देश में लाकर अलग-अलग राज्यों में रुकवाता। ईंट-भट्ठा से लेकर कारखानों में इन्हें काम दिलवाकर प्रबंधन से कमीशन वसूलता था। अब जांच एजेंसियां अलग-अलग राज्यों में बसाए गए रोहिंग्या की तलाश में जुट गई है।

रेलवे सुरक्षा बल कानपुर पोस्ट ने रिपोर्ट बनाकर आईजी को भेजी है। म्यांमार निवासी इब्राहिम ने 2024 में भारत में प्रवेश किया था। उसने पहले पश्चिम बंगाल, बिहार, यूपी, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, मध्य प्रदेश सहित 12 राज्यों का दौरा किया। इब्राहिम ने जम्मू के नरवाल शरणार्थी कैंप में अपना स्थायी ठिकाना बनाया।

अलग-अलग राज्यों में शिफ्ट कराने का खेल करता था

यहीं से वह म्यांमार में अपने साथियों और रिश्तेदारों से संपर्क में रहकर वहां के युवक-युवतियों को असम के रास्ते देश में लाकर अलग-अलग राज्यों में शिफ्ट कराने का खेल करता था। इसके बदले मिलने वाला कमीशन उसकी कमाई का जरिया थी।

इब्राहिम के पास देश में रहने का न तो वीजा मिला और न ही कोई और प्रमाणपत्र। पिछले महीने वह म्यांमार निवासी हासिम और शौकतारा को असम के रास्ते लाया था। जम्मू शरणार्थी कैंप ले जाने के लिए अपने साथ दोनों को लेकर वह पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति में सवार हुआ लेकिन सेंट्रल पर आरपीएफ ने जनरल कोच से तीनों को पकड़ लिया गया।

डिब्रूगढ़ राजधानी समेत पूर्वोत्तर जाने वाली ट्रेनों में अलर्ट

कानपुर से होकर जाने वाली डिब्रूगढ़ राजधानी सहित सभी ट्रेनों में रोहिंग्या को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। आरपीएफ को निर्देश दिए गए हैं कि यूपी की सीमा में प्रवेश करते ही इन ट्रेनों की निगरानी सीसीटीवी के साथ क्यूआरटी से कराई जाए। हर छोटी-बड़ी हेल्पलाइन की सूचना पर तत्काल अमल करें भले ही वह बाद में अफवाह साबित क्यों न हो। एनई, ब्रह्मपुत्र और अवध असम के अलावा पश्चिम बंगाल या झारखंड से आकर दिल्ली जाने वाले सभी ट्रेनों पर नजर रखी जाए।सुरक्षा एजेंसियों से पूछताछ में पता चला कि इब्राहिम कीपैड वाला मोबाइल ही उपयोग करता था।

हिंदू डॉक्टर पर निकाह और धर्मांतरण का दबाव बनाने वाले रमीज को केजीयूएम ने किया सस्पेंड

सीएम योगी ने दी पीड़िता को सुरक्षा, एफआईआर के बाद हुआ फरार, पहली बीवी को भी कबूल करवाया था इस्लाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के केजीएमयू में 'मुस्लिम बनो और निकाह करो' कहने वाले डॉक्टर रमीजुद्दीन नायक उर्फ रमीज मलिक पर योगी सरकार का एक्शन शुरू हो गया है। रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन को सस्पेंड कर दिया गया है। उसके केजीएमयू में एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। इससे पहले पीड़िता की तहरीर पर चलरूके रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन के खिलाफ चौक कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपित केजीएमयू की जाँच कमेटी के सामने पेश होने के बाद फिलहाल फरार बताया जा रहा है।

सीएम योगी से पीड़िता ने माँगी सुरक्षा

सोमवार (22 दिसंबर 2025) को पीड़िता से सीएम योगी ने फोन पर बात की थी। सीएम योगी ने बातचीत में निष्पक्ष जाँच का आश्वासन दिया था। उन्होंने पूरे मामले पर केजीएमयू प्रशासन से रिपोर्ट भी माँगी है। घटना के बाद पीड़िता को सुरक्षा दी जा रही है। 24 घंटे उसके साथ सिपाही रहता है। वर्कप्लेस पर सेक्सुअल हैरेसमेंट के लिए बनी विशाखा कमेटी ने कॉलेज प्रशासन को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसके आधार पर ही डॉक्टर रमीजुद्दीन को सस्पेंड किया गया है।

पश्चिम बंगाल की रहने वाली है पीड़िता डॉक्टर

पीड़िता डॉक्टर पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। वह एमडी पैथोलॉजी कर रही हैं। उसका सीनियर डॉक्टर रमीजुद्दीन है। वह केजीएमयू में एमडी पैथोलॉजी थर्ड ईयर का स्टुडेंट है। रमीजुद्दीन उत्तराखंड का रहनेवाला है। उसके खिलाफ शुरुआती रिपोर्ट में सबूत मिले हैं।

दरअसल 17 दिसंबर को पीड़िता डॉक्टर ने कमरे में दवा की ओवरडोज लेकर आत्महत्या की कोशिश की थी। उन्हें केजीएमयू में ही भर्ती किया गया। परिवार को खबर दी गई। इसके बाद परिवार के लोग 19 दिसंबर को लखनऊ पहुँचे। उसके पिता भी डॉक्टर हैं।

प्रेम जाल में फँसा कर इस्लाम कबूलने का दबाव

डॉक्टर रमीजुद्दीन से पीड़िता की मुलाकात 2023 में हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर डॉक्टर रमीजुद्दीन ने उसे प्रेम जाल में फँसाया, फिर धर्मांतरण का दबाव बनाया। उसने कहा कि मुस्लिम बनो और निकाह करो। लड़की के मना करने पर वह उसे टॉर्चर करने लगा। दरअसल लड़की को डॉक्टर रमीजुद्दीन के शादीशुदा होने का पता उसकी पहली बीवी से ही मिली थी।

डॉक्टर रमीजुद्दीन ने इतना प्रताड़ित किया कि पीड़िता दवा का ओवरडोज लेकर आत्महत्या करने कोशिश की। पीड़िता कहती है कि फरवरी 2025 में डॉक्टर रमीजुद्दीन ने दूसरी हिन्दू लड़की को फँसाकर धर्मांतरण करवाया और फिर निकाह कर लिया।

सोमवार (22 दिसंबर 2025) को डॉक्टर रमीजुद्दीन जाँच कमेटी के सामने पेश हुआ। दरअसल वह जाँच से बचने के लिए बीमारी का बहाना बना रहा था। जाँच कमेटी ने कई बार डॉक्टर रमीजुद्दीन को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। अंत में व्हाट्सएप के जरिए उसे मैसेज किया गया। तब उसने बीमारी का बहाना बना कर जाँच कमेटी के सामने उपस्थित होने में असमर्थता जाहिर की, लेकिन कमेटी नही मानी और उसे आना पड़ा।

डॉक्टर रमीजुद्दीन अपने पिता के साथ वहाँ पहुँचा। उसने खुद को बेगुनाह बताया। उसने ये भी दावा किया कि वह शादीशुदा नहीं है। इस पर उसे एफिडेविट देने के लिए कहा गया यानी उसे साबित करना है कि

वह शादीशुदा नहीं है।

जाँच कमेटी में शामिल डॉक्टर केके सिंह के मुताबिक, आरोपित डॉक्टर रजीमुद्दीन का निकाह हुआ है या नहीं इसकी जाँच की जा रही है। हालाँकि उसने एडमिशन के वक्त खुद को अविवाहित करार दिया था। डॉक्टर के के सिंह के मुताबिक, जाँच रिपोर्ट के आधार पर ही उसे 24 घंटे के भीतर सस्पेंड किया गया है। यहाँ तक कि विश्वविद्यालय आने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। दरअसल डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉक्टर वीरेन्द्र आतम ने सस्पेंड करने का आदेश जारी किया।

आदेश में कहा गया है कि जाँच पूरी होने तक डॉक्टर रमीजुद्दीन कैंपस में एंट्री नहीं कर पाएगा। लेकिन उसके लखनऊ छोड़ने पर रोक लगी हुई है। क्योंकि जब जब जाँच कमेटी उसे बुलाएगी, उसे हाजिर होना पड़ेगा। इस दौरान केजीएमयू मुख्यालय में वह रहेगा। लेकिन पुलिस कह रही है कि वह फरार हो गया है।

घटना के बाद केजीएमयू के पैथोलॉजी विभाग के पीजी स्टूडेंट्स विभाग के अंदर हलचल कम दिख रही है। विभाग का काम सामान्य रूप से चल रहा है। लेकिन लोग आपस में इस मामले को लेकर धीरे धीरे बातें कर रहे हैं।

वीएचपी के समरेन्द्रजी के मुताबिक, केजीएमयू के पैथोलॉजी विभाग में ये पहला मामला नहीं है। पैथॉलोजी के नर्सिंग विभाग में एक मुस्लिम महिला ने अपने हिन्दू रूम पार्टनर पर दबाव डालकर निकाह पैथोलॉजी विभाग के ही मोहम्मद नफीस अहमद से करा दिया। यहाँ तक कि पैथोलॉजी विभाग ने डॉक्टर बिटिया पर इतना दबाव बनाया कि वह अपनी जान देने की कोशिश की।

लव जिहादियों सुधर जाओ, वरना राख कर दिया जाएगा-अपर्णा यादव

22 दिसंबर 2025 को पीड़िता अपने परिवार के साथ महिला आयोग के दफ्तर में उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से मुलाकात की।

पीड़िता ने आपबीती बताते हुए कहा कि उसे बहुत प्रताड़ित किया गया। वह काफी डर गई थी। वह जुलाई से आरोपित के साथ रिलेशनशिप में थी। इस दौरान पता चला कि वह शादीशुदा है। उसने कहा कि उसने जब डॉक्टर रमीजुद्दीन से दूरी बनाने की कोशिश की, तो उसका शोषण किया गया। अब वह काफी दहशत में हैं। खुद की और परिवार की सुरक्षा को लेकर भी डर गई हैं।उसकी बातें सुनकर अपर्णा यादव को गुस्सा आ गया। उन्होंने कहा कि लव जिहादियों सुधर जाओ, वरना एक-एक को राख कर दिया जाएगा। अपर्णा यादव ने आगे कहा कि लड़की को इतना प्रताड़ित किया गया कि वह अपनी जान लेने की कोशिश की।

King George's Medical University
Uttar Pradesh, Lucknow - 226003, India

अपर्णा यादव ने कहा, जब माता सीता का अपहरण हुआ तो पूरे रावण कुल का नाश हो गया। जब द्रौपदी का चीरहरण हुआ तो कुरु वंश का नाश हुआ। हमारा दुर्भाग्य है कि भारत में लव जिहाद कर हिंदू बेटियों का जीवन बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने की बात कही और कहा कि कोर्ट में कड़ी सजा दिलवाने की कोशिश करेंगे।

केजीएमयू के बाहर प्रदर्शन

एबीवीपी ने इस मुद्दे पर केजीएमयू के सामने धरना प्रदर्शन किया और कुलपति सोनिया नित्यानंद को ज्ञापन सौंपा। उसमें 15 दिनों के भीतर जाँच पूरी करने समेत कई माँगे हैं। इनके पूरी नहीं होने पर आंदोलन करने की धमकी दी गई है। मंगलवार (23 दिसंबर 2025) की शाम केजीएमयू कैंपस के गेट नंबर 1 पर नेशनल मेडिकोज संगठन यानी एनएमओ ने कैंडल मार्च निकाला है।

एबीवीपी की लखनऊ महानगर मंत्री सरिता पांडे ने कहा कि केजीएमयू जैसी संस्था में अगर धर्मांतरण के लिए दबाव डालकर लड़की को प्रताड़ित किया जा सकता है, तो दूसरे विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान में क्या होता होगा।

एक छत के नीचे स्थापित होंगी बुनकरों से जुड़ी सभी इकाइयां

संत कबीर टेक्सटाइल पार्क

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी के रमना में 75 एकड़ में संत कबीर टेक्सटाइल पार्क का निर्माण होगा। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इसका शासनादेश जारी हो गया है। टेक्सटाइल पार्क में एक छत के नीचे बुनकरों से जुड़ी सभी इकाइयां स्थापित होंगी। नए उद्योगों की स्थापना का मार्ग भी प्रशस्त होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और पूर्वांचल औद्योगिक मानचित्र पर और मजबूत होकर उभरेगा।

संत कबीर के नाम से बनने वाला यह पार्क बुनकरी परंपरा और आधुनिक उद्योग का संगम होगा। यह परियोजना पूर्वांचल की पारंपरिक बुनकरी और बनारसी हस्तशिल्प को नई पहचान दिलाएगी। जिले में 75 एकड़ क्षेत्रफल में संत कबीर टेक्सटाइल एंड अपैरल पार्क बनाया जाएगा। हाल ही में कैबिनेट की बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी मिली।प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क के बन जाने से वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर और भदोही समेत आसपास के जिलों के

5000 बुनकरों और कारीगरों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा। यहां टेक्सटाइल और परिधान उद्योग से जुड़े सभी प्रकार के उत्पादों की यूनिटें स्थापित की जाएंगी। धागा निर्माण से लेकर साड़ी बुनाई, प्रिंटिंग, प्रोसेसिंग और फिनिशिंग तक की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी, जिससे उत्पादन प्रक्रिया सरल और किफायती होगी। बुनकरों का कहना है कि लंबे समय से रोजगार और बेहतर आमदनी की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करने वाले कारीगर अब अपने ही क्षेत्र में काम कर सकेंगे।

सरयू की लूट, अफसरों की खामोशी और संरक्षण का खेल

अयोध्या में बालू माफिया बेलगाम लखनऊ तक फैला 'संरक्षण' नेटवर्क

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।सरयू नदी के सीने पर चल रही मशीनों की गूंज सिर्फ बालू निकालने की आवाज़ नहीं है, यह कानून, पर्यावरण और शासन व्यवस्था के सुनियोजित कत्लेआम की दस्तक है। सवाल यह नहीं कि अयोध्या में अवैध बालू खनन हो रहा है सवाल यह है कि आखिर किसके संरक्षण में हो रहा है?सूत्रों के अनुसार इस पूरे अवैध खनन सिंडिकेट को लखनऊ स्थित खनन निदेशालय में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है। यही संरक्षण माफिया के हौसले इस कदर बुलंद करता है कि जांच करने पहुंचे अफसर पर दिन-दहाड़े जानलेवा हमला होता है। थाना परिसर में खुलेआम धमकियां दी जाती हैं और फिर भी जिला प्रशासन, खनन विभाग और शासन की फाइलें खामोशी ओढ़ लेती हैं।

- अधिवक्ता प्रवीण दुबे की शिकायत से खुला अयोध्या का बालू माफिया नेटवर्क
- सरयू नदी में अवैध खनन, अफसर पर हमला और जिला खनन अधिकारी की भूमिका पर गंभीर सवाल

अधिवक्ता प्रवीण कुमार दुबे द्वारा लगातार की गई शिकायतों और उच्च न्यायालय लखनऊ में दाखिल याचिका के बाद मामला अब शासन, पर्यावरण विभाग और खनन निदेशालय के संज्ञान में है। मामला तहसील सोहावल के ग्राम फत्तेहपुर सरैया मांझा व मांझाकला से जुड़ा है, जहां गाटा संख्या 13घ में बालू खनन का पट्टा मार्च 2025 से मार्च 2030 तक के लिए स्वीकृत है। आरोप है कि पट्टे की आड़ में राकेश और सरोज जायसवाल से जुड़े एक आपराधिक खनन सिंडिकेट द्वारा निर्धारित क्षेत्र से बाहर सरयू नदी, उसकी तलहटी और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन और परिवहन किया जा रहा है।

अधिवक्ता प्रवीण दुबे के अनुसार नवंबर 2025 से ही इस अवैध गतिविधि की शिकायत जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उपजिलाधिकारी सोहावल और जिला खान अधिकारी से की जाती रही, लेकिन किसी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। 29 नवंबर 2025 को अधिवक्ता की शिकायत पर मंडलीय खनन अधिकारी (प्रवर्तन) अनंत सिंह जब मौके की जांच कर लौट रहे थे, तभी आरोप है कि खनन सिंडिकेट से जुड़े लोगों ने उनकी सरकारी गाड़ी का पीछा कर हाईवे पर घेराबंदी की और दिन-दहाड़े जानलेवा हमला किया। इसके बाद अयोध्या कैंट थाना परिसर में भी भारी संख्या में लोगों द्वारा हंगामा, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप है। यह पूरी घटना थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड बताई जा रही है।

आरोप है कि जांच की सूचना मिलने के बाद अवैध खनन से जुड़े गड्ढों को रातों-रात पाट दिया गया, लेवलिंग कराई गई और भारी मशीनें हटा ली गईं, जिससे साक्ष्य नष्ट हो गए। बाद में खनन निदेशालय लखनऊ की टीम के निरीक्षण के दौरान केवल सीमित क्षेत्र में ही अवैध खनन दर्ज किया गया।

अधिवक्ता प्रवीण दुबे का कहना है कि 12 दिसंबर 2025 के बाद फिर से रात के समय अवैध खनन शुरू हो गया। इस संबंध में 21 दिसंबर की रात जिला खनन अधिकारी को फोन कर जानकारी दी गई, लेकिन उन्होंने कार्रवाई से इनकार करते हुए फोन काट दिया। बातचीत की रिकॉर्डिंग सुरक्षित होने का दावा किया गया है।

अधिवक्ता प्रवीण दुबे

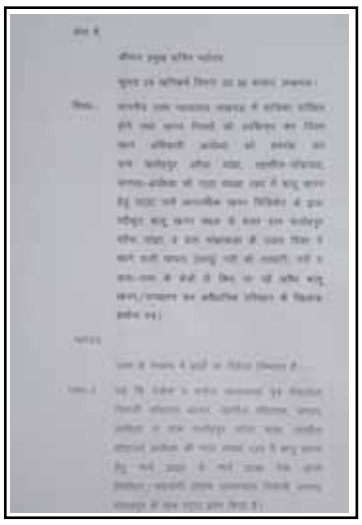

मामले में यह भी सामने आया है कि इसी खनन सिंडिकेट से जुड़े एक अन्य घाट पर पहले भी अवैध खनन पकड़ा गया था। जहां खनन निदेशालय की टीम ने लगभग 1 करोड़ 35 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर घाट सीज किया था। अधिवक्ता प्रवीण दुबे ने प्रमुख सचिव, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश को भेजे गए प्रार्थना पत्र में जिला खनन अधिकारी को पद से हटाकर स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराने, अवैध खनन में संलिप्त सिंडिकेट के पट्टे निरस्त करने और अफसर पर हुए हमले को गंभीर अपराध मानते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मामला अब शासन और न्यायालय के समक्ष है। निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सरयू नदी में हो रहे अवैध खनन और इससे जुड़े अफसरों की भूमिका पर आगे क्या कार्रवाई होती है। अधिवक्ता प्रवीण दुबे की शिकायतें, हाईकोर्ट में दाखिल याचिका और दबाने की कोशिशें सब मिलकर एक ही सवाल छोड़ जाती हैं क्या सरयू की रेत से सिर्फ माफिया मालामाल हो रहा है या संरक्षण देने वाले अफसर भी बराबर के हिस्सेदार हैं?

1 जनवरी तक राम जन्मभूमि के सभी वीआईपी व आरती पास फुल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नए पास जारी करने पर लगाई गई रोक

अयोध्या।नव वर्ष से पहले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्रीराम जन्मभूमि में 1 जनवरी 2026 तक के सभी वीआईपी, फुल और आरती पास पूरी तरह भर गए हैं। अब पास जारी करने पर रोक लगा दी गई है। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दी है। ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि बीते एक माह से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, बावजूद इसके दर्शन व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है। सामान्य दर्शन मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं को लगभग आधे घंटे में भगवान श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सीमित संख्या में पास जारी किए जाते हैं। दो घंटे के एक स्लॉट में कुल 400 पास निर्धारित हैं, जो 1 जनवरी तक लगभग पूरी तरह भर चुके हैं। आरती के पास भी फुल हो गए हैं, हालांकि दर्शन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं है।

रामनगरी अयोध्या में नव वर्ष को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है और प्रशासन की ओर से सुगम दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

बिल्हौर के आकाश ने अमेरिका में गाड़ा अपने नाम का झंडा

» नासा में वैज्ञानिक पद पर हुई नियुक्ति से जगह जगह चर्चा

» माता पिता की छाती सम्मान से हुई चौड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर के मुनीश्वर अवस्थी नगर के आकाश ने अमेरिका के नासा रिसर्च सेंटर में अपनी रिसर्च के साथ नाम रोशन किया है। 2021 में अमेरिकन गवर्नमेंट की स्कॉलरशिप मिलने के बाद अमेरिका गए आकाश ने कंप्यूटर साइंस में पीएचडी पूरी की और नासा के एआई डिपार्टमेंट में सुपर कंप्यूटर प्रोग्राम डेवलपमेंट रिसर्च शुरू कर दी। आकाश का जन्म 4 अक्टूबर 1999 को किराना व्यवसायी प्रदीप अवस्थी और गृहिणी पूनम अवस्थी के घर हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा सूरजमुखी पब्लिक स्कूल और प्रभा सनराइज एजुकेशन सेंटर से ली और कक्षा 9 से 12 तक जय नारायण इंटर कॉलेज, कानपुर में पढ़ाई की।

बीटेक की पढ़ाई तमिलनाडु से करने के बाद आकाश अमेरिका गए और साढ़े तीन साल की मेहनत के बाद पीएचडी पूरी की। नासा में रिसर्च जॉइनिंग की खबर मिलते ही पूरे बिल्हौर में खुशी की लहर दौड़ गई।

अमेरिका से एक महीने की छुट्टी पर आने पर आकाश से मिलने वालों का हुजूम लग गया और लोगों ने बधाई दी।

आकाश ने बताया कि अमेरिका का साफ वातावरण, पेशेवर अवसर और योग्य लोगों के बीच काम करने का मौका उन्हें आकर्षित करता है। उन्होंने एआई और रोजगार पर भी अपनी राय दी और कहा कि इससे नौकरियां कम नहीं हो रही, बस काम करने के तरीके बदल रहे हैं।

आकाश ने भविष्य में अपने माता-पिता और छोटे भाई आकर्षित को भी अमेरिका ले जाने की योजना बनाई है। उनके दादा, बिल्डर इंटर कॉलेज के रिटायर्ड सुरेश अवस्थी, अपने पोते की उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। बिल्हौर के इस युवा ने अपने मेहनत और लगन से न केवल परिवार, बल्कि पूरे शहर का नाम ऊँचा किया है।

दिग्विजय का 'संगठन संदेश' कांग्रेस में नई सियासी हलचल तेज

राज्यसभा कार्यकाल खत्म होने से पहले ट्वीट से छेड़ा बड़ा संकेत
आरएसएस-बीजेपी मॉडल की तारीफ क्या कांग्रेस नेतृत्व पर सीधा वार?

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल जनवरी 2026 में समाप्त हो रहा है, और तीसरे कार्यकाल को लेकर गहरी अनिश्चितता बनी हुई है। कमलनाथ और मीनाक्षी नटराजन जैसे दिग्गज दावेदारों की मौजूदगी और प्रदेश नेतृत्व में जीतू पटवारी व उमंग सिंघार जैसे नेताओं की मजबूत पकड़ के बीच दिग्विजय सिंह का अचानक आक्रामक तेवर अपनाना महज़ संयोग नहीं माना जा रहा। इसी कड़ी में उनके एक ट्वीट ने कांग्रेस के भीतर नई बहस और राजनीतिक हलचल खड़ी कर दी है।

सीडब्ल्यूसी बैठक से ठीक पहले दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लालकृष्ण आडवाणी की पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और बीजेपी का जमीनी कार्यकर्ता नेताओं की चरणों पर बैठकर सीएम और पीएम बना यह संगठन की शक्ति है।

यह टिप्पणी सिर्फ एक फोटो शेयर करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे कांग्रेस संगठन के ढांचे और नेतृत्व शैली पर अप्रत्यक्ष चोट माना जा रहा है।

दिग्विजय ने जिस 'संगठन शक्ति' का जिक्र किया, उसने कांग्रेस के भीतर कैडर स्ट्रक्चर, अनुशासन और जमीनी मजबूती पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह ट्वीट कांग्रेस नेतृत्व को स्पष्ट संदेश देता है कि बिना मजबूत संगठन और जमीनी कार्यकर्ताओं के सम्मान के, पार्टी बड़े राजनीतिक मुकाबलों में पीछे रह सकती है। वहीं, दिग्विजय के इस टिप्पणी को उनके भविष्य और संगठन में भूमिका से जोड़कर भी देखा जा रहा है। राज्यसभा टिकट की अनिश्चितता और बदलते सत्ता समीकरणों के बीच उनका यह 'संगठन संदेश' कांग्रेस की आंतरिक राजनीति में एक बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

एम्स ऋषिकेश में गैंगस्टर विनय त्यागी की मौत

» वेंटिलेटर सपोर्ट पर था विनय, कई बड़े मामलों का था आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात गैंगस्टर विनय त्यागी की उपचार के दौरान मौत हो गई। लक्सर में पेशी के दौरान पुलिस वाहन पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में गंभीर रूप से घायल हुए विनय का एम्स में ऑपरेशन किया गया था। डॉक्टरों की टीम ने उसकी गर्दन और हाथ में फंसी गोलियां निकाल दी थीं, लेकिन गोली लगने से आंतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। दरअसल, मुजफ्फरनगर के गांव खाईखेड़ी निवासी हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को एक अक्टूबर को देहरादून पुलिस ने लाखों की नकदी और जेवर चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में हरिद्वार में दर्ज मुकदमों के चलते 12 दिसंबर को उसे रुड़की कारागार शिफ्ट किया गया। बीते बुधवार दोपहर पुलिस टीम उसे पेशी के लिए लक्सर कोर्ट ला रही थी। इसी

दौरान लक्सर रेलवे ओवरब्रिज पर जाम में फंसी पुलिस की टाटा सुमो पर बाइक सवार दो नकाबपोश हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं और फरार हो गए।पुलिस ने वारदात के कुछ ही समय बाद आरोपियों सनी यादव उर्फ शेरा और अजय को खानपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। दोनों काशीपुर (उधम सिंह नगर) के निवासी बताए जा रहे हैं। विनय त्यागी मेरठ का हिस्ट्रीशीटर था और कुख्यात सुनील राठी गैंग से जुड़ा माना जाता था। उसके खिलाफ देहरादून, रुड़की और लक्सर में कई गंभीर मुकदमे दर्ज थे, वहीं एक करोड़ की धोखाधड़ी का मामला भी लंबित था। इसी केस में उसकी पेशी के दौरान यह हमला हुआ, जो उसकी मौत का कारण बन गया।